9 March, 2018
The Times of India (Hyderabad)

ASSOCHAM IN THE NEWS

Casual smoking on the rise among city women, finds Assocham study

TIMES NEWS NETWORK

Hyderabad: Casual smoking seems to be on the rise among young working women in India's major cities, a new survey released on International Women's Day revealed.

Owing to job stress, peer pressure and the 'cool factor' working as the booster, the survey conducted by the Association Chambers of Commerce and Industry of India on 2,000 women in the age group of 22 to 30, revealed while the number of heavy smokers was only two percent, women with light and very light smoking habit were as high as 52%.

The survey was conducted to analyse the smoking pattern among young working women in Ahmedabad, Bengaluru, Chennai, Delhi-NCR, Hyderabad, Jaipur, Kolkata, Lucknow, Mumbai and Pune.

"Growing number of young working women, mostly with high paying jobs and an active life, are indulging in social smoking but they must realise it is 'uncool' and that they are placing their heart-health at risk by occasionally indulging in cigarettes," secretary general of Assocham D S Rawat, said. During the survey, some women claimed smoking to be a stress-buster while for some, smoking had a 'cool' factor, associated with feelings of attractiveness, independence and sophistication.

"Having a different physiological structure from men, women smokers are prone to infertility and high chances of getting a blood clot," said Dr B K Rao, the chairman of Assocham National Council on Healthcare. Talking about the effects of smoking, he said, "The effects of this will last with you whether you quit smoking or you don't, and if you don't, further damage will take place." The survey also found that about one-fourth of the 46% non-smokers had quit smoking, owing to fears of fertility problems and high risk of breast cancer.

9 March, 2018
Millennium Post (Kolkata)

'Smoking on rise among young working women in India'

OUR CORRESPONDENT

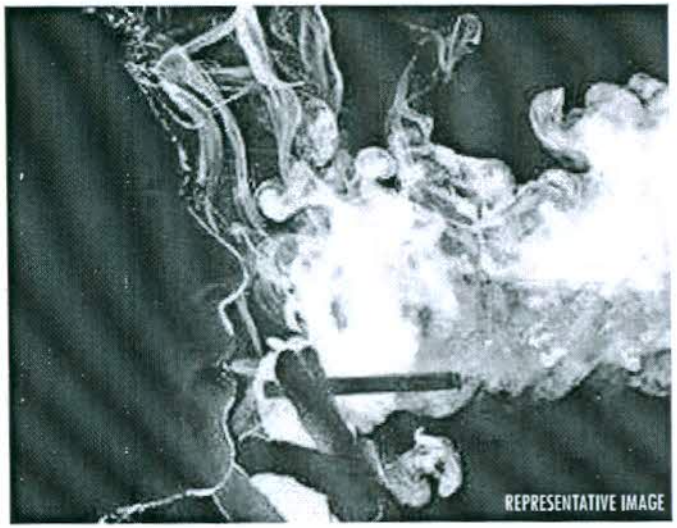
REPRESENTATIVE IMAGE

KOLKATA: Casual and social smoking is on rise amid young working women across metros in India, noted a recent survey conducted by Associated Chambers of Commerce and Industry of India (Assocham) Social Development Foundation ahead of International Women's Day.

The survey was conducted to ascertain the smoking pattern in young working women, many of whom consider it as a 'stress buster.' "Growing number of young working women (mostly with high-paid jobs and an active life) are indulging in social smoking but they must realise it is 'uncool' and that they are placing their heart health at risk by occasionally indulging in cigarettes," said Assocham secretary general, DS Rawat while releasing the findings of the survey.

"More and more number of young women can be seen all around commercial hubs in metros enjoying a smoke comfortably with their colleagues, this is certainly a disturbing trend," Rawat added.

The social development arm of Assocham analysed a sample of about 2,000 women between ages 22 and 30 years in 10 urban centres that included Kolkata, Ahmedabad, Bengaluru, Chennai, Delhi-NCR, Hyderabad, Jaipur, Lucknow, Mumbai and Pune during the course of past four weeks.

It may be mentioned that as per the survey about only two percent said they were heavy smokers (smoking a pack a day or more), majority of these said that peer pressure and work related stress push them to increase the number of cigarettes they smoke everyday. Some even said they smoked for weight loss.

Interestingly, all of these women belonged to top tier cities like Bengaluru, Chennai, Delhi, Kolkata and Mumbai.

Of the total, about 40 percent identified themselves as very light smokers with a habit of smoking 1-2 cigarettes either daily or occasionally. About 12 percent said they were light smokers (2-3 cigarettes a day). Some of them even said they smoked casually owing to the 'cool' factor and even associated with feelings of attractiveness, independence and sophistication.

Of the remaining, 46 percent, about one-fourth said they had quit smoking. Majority of those who had quit smoking attributed the reason to fear of ill effects of smoking on conceiving/fertility and high risk disorders like breast cancer.

Rashtriya Sahara

9 March, 2018

यंग वर्किंग वुमेन में बढ़ रही धूम्रपान की लत

■ हैदराबाद/नई दिल्ली (भाषा)।

देश के महानगरों में युवा कामकाजी महिलाओं में धूम्रपान की आदत बढ़ रही है। इन युवा महिलाओं का कहना है कि वह काम के तनाव को दूर करने के लिए कभी- कभार अथवा मित्र दोस्तों के साथ धूम्रपान करतीं हैं। एक सर्वेक्षण में यह परिणाम सामने आया है।

एसोचैम के सर्वेक्षण में कहा गया कि सर्वे में दस शहरों की 22 से 30 वर्ष के आयु वर्ग की करीब 2,000 महिलाओं से बातचीत की गई। एसोचैम के महासचिव डी. एस. रावत ने कहा, 'बड़े वेतन पैकेज वाली ज्यादातर युवा महिलाएं आमतौर पर समूह में धूम्रपान करतीं हैं, ऐसी महिलाओं की संख्या बढ़ रही है।'

यह सर्वेक्षण अहमदाबाद, बेंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और पुणे जैसे महानगरों में किया गया है। रावत ने कहा, 'महानगरों में स्थित

बड़े व्यावसायिक केन्द्रों में अपने साथी कर्मचारियों के साथ फुर्सत के क्षणों में सिगरेट पीती युवा महिलाओं के समूह को देखा जा सकता है। सर्वेक्षण में शामिल दो प्रतिशत महिलाओं ने तो कहा है कि वह दिन में एक पैकेट अथवा इससे भी ज्यादा सिगरेट पीती हैं। इनमें से ज्यादातर ने इस आदत के लिए कामकाज के दबाव को मुख्य वजह बताया।

सर्वेक्षण के मुताबिक कुछ ने तो यह भी कहा कि वह वजन कम रखने के लिए सिगरेट पीतीं हैं। 40 प्रतिशत ने कहा कि वह दिन में केवल दो-तीन या फिर कभी कभार ही सिगरेट पीतीं हैं।

एसोचैम की रिपोर्ट

- कामकाज का तनाव दूर करने को करती हैं स्मोकिंग
- सर्वेक्षण में ली गई 22-30 वर्ष की महिलाओं की राय
- 2% महिलाएं तो दिन में पी लेती हैं एक पैकेट सिगरेट
- 40% महिलाएं दिन में तीन बार करती हैं स्मोकिंग

9 March, 2018
Pioneer (Hindi)
ASSOCHAM IN THE NEWS

युवा कामकाजी महिलाओं में बढ़ रही है धूम्रपान की लत

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के महानगरों में युवा कामकाजी महिलाओं में धूम्रपान की आदत बढ़ रही है। इन युवा महिलाओं का कहना है कि वह काम के तनाव को दूर करने के लिए कभी- कभार अथवा मित्र दोस्तों के साथ धूम्रपान करतीं हैं। एक सर्वेक्षण में यह परिणाम सामने आया है।

देश के अग्रणी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल एसोचैम के सामाजिक विकास न्यास ने यह सर्वेक्षण किया है। एसोचैम के एक अधिकारी के मुताबिक, यह परेशान करने वाला रूझान है। महिलाओं को समझना होगा कि सिगरेट पीने से वह अपने स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं।

एसोचैम की यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस सर्वेक्षण में दस शहरों की22 से30 वर्ष के आयु वर्ग की करीब2,000 महिलाओं से बातचीत की गई। सर्वेक्षण पिछले चार सप्ताहों के दौरान किया गया जिसमें युवा कामकाजी महिलाओं की धूम्रपान की आदतों के बारे में जानकारी ली गई। एसोचैम के महासचिव डी. एस. रावत ने कहा, बड़े वेतन पैकेज वाली ज्यादातर युवा महिलाएं आमतौर पर समूह में धूम्रपान करतीं हैं, ऐसी महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि कभी-कभार सिगरेट पीना उनके दिल को स्वस्थ रखने के लिहाज से ठीक नहीं है। यह सर्वेक्षण अहमदाबाद, बेंगलूरू, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ मुंबई और पुणे जैसे महानगरों में किया गया है। रावत ने कहा, महानगरों में स्थित बड़े व्यावसायिक केन्द्रों में अपने साथी कर्मचारियों के साथ फुर्सत के क्षणों में सिगरेट पीती युवा महिलाओं के समूह को देखा जा सकता है, यह वास्तव में परेशान करने वाला रुझान है। सर्वेक्षण में शामिल दो प्रतिशत महिलाओं ने तो कहा है कि वह दिन में एक पैकेट अथवा इससे भी ज्यादा सिगरेट पी जातीं हैं। इनमें से ज्यादातर ने इस आदत के लिए प्रतिस्पर्धा और कामकाज के दबाव को मुख्य वजह बताया। सर्वेक्षण के मुताबिक कुछ ने यह भी कहा कि वह वजन कम रखने के लि सिगरेट पीतीं हैं।40 प्रतिशत ने कहा कि दिन में केवल दो- तीन या फिर कभी व ही सिगरेट पीतीं हैं।

महाराष्ट्र में 12.9 प्रतिशत परिवारों की मुखिया महिलाएं

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में कुल परिवारों में से12.9 प्रतिशत की मुखिया महिलाएं हैं। राज्य विधानमंडल में आज पेश आर्थिक समीक्षा में यह तथ्य सामने आया है। संख्या के हिसाब से देखा जाए, तो देश सबसे अधिक औद्योगिकीकृत राज्य में244.22 लाख परिवार ऐसे हैं जिनकी मुखिया महिलाएं हैं।

बजट 2018-19 को पेश किए जाने से एक दिन पहली जारी समीक्षा में कहा गया है कि महाराष्ट्र में महिला मुखिया वाले परिवारों की संख्या 244.22 लाख है। राज्य विधानसभा में यह समीक्षा वित्त मंत्री सुधीर मुंगन्तिवार और विधान परिषद में वित्त राज्यमंत्री दीपक केसरकर ने पेश की। समीक्षा में 2011 की जनगणना का हवाला देते हुए समीक्षा में कहा गया है कि राज्य में59 प्रतिशत परिवारों को अपने परिसर में ही पेयजल उपलब्ध है, 27.6 प्रतिशत परिवारों को परिसर के पास और13.1 प्रतिशत परिवारों को परिसर से दूर पेयजल उपलब्ध है।

34 परिवार परिवारों के पास अपने घर में शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहीं12.9 प्रतिशत सार्वजनिक शौचालयों का इस्तेमाल करते हैं। कुल परिवारों में से83 प्रतिशत के पास बिजली कनेक्शन हैं जबकि14.5 प्रतिशत मिट्टी के तेल का इस्तेमाल करे हैं।

नीति आयोग ने महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया मंच

एजेंसी। नई दिल्ली

नीति आयोग ने महिला उद्यमियों को बढावा देने के लिए अलग से आज एक मंच शुरू किया। महिला उद्यमिता मंच(डब्ल्यूईपी) का मकसद एक गतिशील उद्यमिता माहौल उपलब्ध कराना है जहां महिलाओं को स्त्री-पुरूष के आधार पर बाधाओं का सामना नहीं करना पड़े।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोग ने आज एक बयान में कहा कि यह मंच महिलाओं को अपनी उद्यमिता आकांक्षा, नवप्रवर्तन पहल तथा अपने कारोबार के लिए भरोसेमंद और दीर्घकालीन रणनीति को वास्तिवक रूप देने का एक अवसर देगा। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने भारत में यूएन रेजिडेन्ट कार्डिनेटर यूरी अफानासेईव तथा गायक कैलाश खेर समेत अन्य की मौजूदगी में डब्ल्यूईपी की शुरूआत की। डब्लूईपी के लिए नारी शक्ति गाना भी बनाया गया है जिसे खेर ने तैयार और गाया है। इस मौके पर गाने को भी जारी किया गया। कांत और अफानासेईव ने वुमेन ट्रांसफार्मिंग इंडिया अवाइस के लिए नामाकंन की भी शुरूआत की। आयोग के अनुसार डब्ल्यूईपी सरकारी तथा निजी क्षेत्र की योजनाओं और पहल से जुड़ी सूचनाओं को दुरूस्त कर पहले से काम कर रहे और उद्यमी बनने की इच्छा रखने वाली